चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'

जन्म : 2 मार्च 1925 ई०

जन्म-स्थान : खोजपुर मधुबनी।

कृति : **कविता संग्रह** : 'गुदगुदी', 'युगचक्र', 'ऋतुप्रिया', 'उनटा पाल', 'आशा-दिशा' एवं 'विद्यापतिक देशमे'।

एकांकी: समाधान।

उपन्यास : 'वीर कन्या' एवं विदागरी

कथा संग्रह : 'जल समाधि'।

आलोचना : 'मैथिली पत्रकारिताक इतिहास'।

जीवनी : 'म० म० मुरलीधर झा'।

अनुवाद: 'एच. एन. आप्टे'।

सम्पादन : 'विजय-शंख', 'कविवर जीवन झा रचनावली' एवं 'स्वातंत्र्य-स्वर'।

विविध : 'त्रिफला', 'मुहावरा ओ लोकोक्ति'।

पुरस्कार : **'मैथिली पत्रकारिताक इतिहास'** (आलोचना) पर 1983 ई० मे साहित्य अकादमी पुरस्कार।

श्री चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' साहित्य क्षेत्रमे कवि, कथाकार, उपन्यासकार, एकांकीकार, आलोचक, निबन्धकार आदि रूपमे विख्यात छथि। व्याकरणाचार्य 'अमर' जी एम.एल. एकेडमीसँ मैथिलीक शिक्षकक रूपमे सेवा निवृत्त भऽ मैथिलीक चिन्तना तथा साहित्य साधनामे अहर्निश लागल रहैत छथि। हास्य-व्यंग्यक रचना 'सुमन' जीक प्रेरणासँ कयलनि। 'युगचक्र' हिनक उत्तमकोटिक काव्य थिक। जाहिमे हास्य-व्यंग्यक सृष्टिक संगहि समसामयिक सत्यक उद्घाटन कयल गेल अछि। भाषा पर हिनक अद्भुत अधिकार छनि। सरल सँ सरल भाषाक संग गाम-घरक ठेठ भाषाक प्रयोगमे कवि सिद्धहस्त छथि।

काव्य-संदर्भ : प्रस्तुत पद्यमे कवि पर्यावरण संतुलन ओ जीवनरक्षक उपादानक रूपमे वृक्षक महत्ताकेँ प्रतिपादित कयलनि अछि।

वृक्ष-महिमा

पर उपकारी एहन महान
गाछ-वृक्ष सन अछि नहि आन ।

होइ अछि गाछो वृक्ष प्रबुद्ध,
करय वायु मण्डलकेँ शुद्ध ।

हम सब छोड़ै छी जे श्वास,
से बनि जाइछ कार्बन खास ।

तकरा गाछ ग्रहण कऽ लैछ,
बदलामे ऑक्सीजन दैछ ।

सकल वनस्पति परम पवित्र
प्राणी मात्रक बड़का मित्र ।

एकर प्रसादे होइ अछि बरखा,
गृहस्थीक चलइत अछि चरखा।

डारी पात हो वा फल-फूल,
बिचला धड़ अथवा जड़ि मूल ।

सब अँगे उपकार करैछ,
सभक रोग-सन्ताप हरैछ।

कटहर, बड़हर, आम, लताम
जतय ततय रोपू भरि गाम ।

धिया-पूता सबसँ लुटबाउ,
अपनहु लऽ इच्छा भरि खाउ ।

बड़ पाकड़ि पीपर जे पाबी
बाटक काते कात लगाबी ।

वाट-वटोहीकेँ विश्राम,
अपना बैसल चारू धाम ।

बाबा औ किछु गाछ लगाउ,
बैसल बैसल पुण्य कमाउ ।

●

प्रश्न ओ अभ्यास

1. वृक्ष परोपकारी होइत अछि- कोना? पठित पद्यक आधार पर लिखू।
2. वृक्ष वायुमण्डलकेँ कोना शुद्ध करैत अछि, लिखू ।
3. वृक्ष प्राणीमात्रक मित्र होइत अछि, कोना ?
4. वृक्ष आ बरखामे कोन सम्बन्ध अछि, बताऊ ।
5. वृक्ष की ग्रहण करैत अछि एवं की छोड़ैत अछि ?
6. वृक्षक महिमा लिखू ।
7. 'वृक्ष-महिमा'क सारांश लिखू ।

गतिविधि :

1. गाछ प्रबुद्ध होइछ, छात्र लोकनि आपसमे चर्चा करथि।
2. ओहन वनस्पति वैज्ञानिक के छलाह जे साबित कयने रहथि जे पौधा हमरे सभ जकाँ खाइत छथि, साँस लैत छथि आ वातावरणक प्रति सम्वेदनशील होइत छथि ?
3. पाँच-पाँच संज्ञा आ विशेषण शब्द चूनि वाक्य बनाऊ।
4. किछु औषधीय पौधाक नाम लिखि ओकर गुणक चर्चा करू ।
5. की एहनो वृक्ष होइछ जे दिवा-रात्रि ऑक्सीजन छोड़ैत अछि ?
6. रातिमे वृक्षक नीचाँ किएक नहि सुतबाक चाही ?

निर्देश :

(क) डॉ. जे. सी. बोसक सम्बन्धमे चर्चा कऽ सहयोग करथि। जँ सम्भव हो तँ कार्बन डाइऑक्साइडसँ कोना वातावरण शुद्ध होइछ, विस्तारपूर्वक चर्चा करथि।

(ख) शिक्षक वृक्षक अन्यान्य तरहक महिमाक वर्णन छात्रसँ करथि।

(ग) वायु-प्रदूषणक निदानमे वृक्षारोपणकेँ अहाँ कतेक दूर धरि सहायक मानैत छी ? अपन धारणासँ छात्रकेँ अवगत कराऊ ।

□